



UNIVERSITY NEWS 18 MAY 2026

DAINIK JAGRAN

37 केंद्रों पर होंगी एलएलबी की परीक्षाएं

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी तीन वर्षीय और एलएलबी इंटीग्रेटेड (पांच वर्षीय) पाठ्यक्रम की सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है। यह परीक्षाएं लखनऊ सहित संबद्ध पांच जिलों में बनाए गए 37 केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं के व्यवस्थित संचालन के लिए 17 नोडल सेंटर भी बनाए गए हैं। 37 परीक्षा केंद्रों पर 54 कालेजों के एलएलबी के छात्र-छात्राओं का केंद्र आवंटित किया गया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर

से जारी केंद्रों की सूची के अनुसार हरदोई में छह, लखीमपुर खीरी चार, रायबरेली दो, सीतापुर पांच और लखनऊ में 20 महाविद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। एलएलबी तीन वर्षीय छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से 13 जून, चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 26 मई से 16 जून तक होंगी। वहीं, एलएलबी इंटीग्रेटेड चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से 15 जून, छठे सेमेस्टर की 26 मई से 16 जून, आठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 30 मई से 16 जून और 10वें सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से तीन जून तक होंगी।

पीजी के 10 पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक के 10 और पाठ्यक्रमों के चौथे सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। एम.एससी कंप्यूटर साइंस चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 मई से पांच जून तक होंगी। एम.ए पालीटिकल साइंस चौथे सेमेस्टर, एम.ए एमआइएच चौथे सेमेस्टर, एम.ए लिंग्विस्टिक चौथे सेमेस्टर और एम.ए इकोनामिक्स चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 26 मई से तीन जून तक आयोजित की जाएंगी। इसी तरह एम.ए कम्पोजिट हिस्ट्री

की परीक्षाएं 26 व 29 मई को, एम.ए अरेबिक चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से पांच जून तक, एम.ए अरब कल्चर एंड सिविलाइजेशन चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से आठ जून, एम.एससी रिन्यूएबल चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से तीन जून और एम.काम एप्लाइड इकोनामिक्स चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं दो से 17 जून तक संचालित की जाएंगी। विस्तृत समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

फोटोल्यूमिनेसेंस तकनीक से सेमी कंडक्टर अध्ययन में सहायता

● लविवि की डा. कल्पना सिंह एवं अंतर-संस्थागत टीम को फोटोल्यूमिनेसेंस उपकरण के लिए यूके मान्यता

लखनऊ। भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के लिए यह गर्व का विषय है कि एक अंतर-संस्थागत शोध दल को यूनाइटेड किंगडम के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑफिस से एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। डा. कल्पना सिंह (लखनऊ विश्वविद्यालय) और प्रो. जेपी सिंह (यूपीटीटीआई, कानपुर) के सहयोग से विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों की टीम ने अपने अभिनव प्रयोगशाला उपकरण के लिए यूके डिजाइन रजिस्ट्रेशन प्राप्त किया है। यह उपकरण इंटरनेशनल डिजाइन क्लासिफिकेशन क्लास 24 (मेडिकल एवं लेबोरेटरी उपकरण) के अंतर्गत पंजीकृत है। यह उपकरण एक कॉम्पैक्ट टेबलटॉप प्रणाली है, जिसमें संश्लेषण

और फोटोल्यूमिनेसेंस मापन की प्रक्रिया को एकीकृत किया गया है नव विकसित डिजाइन की विशेषताओं में शीर्ष पर स्थित गोलाकार मल्टी-सैंपल चैंबर, प्रकाशीय पृथक्करण हेतु हिंड संरचना, अग्रभाग में डिजिटल डिस्प्ले और एगोनोमिक कीपैड और स्थिर एवं कंपन-रोधी संलग्न ढांचा प्रमुख रूप से शामिल हैं। फोटोल्यूमिनेसेंस तकनीक का उपयोग नैनोमटेरियल अनुसंधान, सेमीकंडक्टर अध्ययन, जैव-चिकित्सीय विश्लेषण, औषधि अनुसंधान और उन्नत पदार्थ विज्ञान में व्यापक रूप से किया जाता है। डा. कल्पना सिंह ने कहा कि यह उपलब्ध अंतरविषयक सहयोग और भारतीय शोध संस्थानों की नवाचार क्षमता का प्रमाण है। वहीं प्रो. जेपी सिंह ने इसे अकादमिक और तकनीकी संस्थानों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण, जो भारत को वैज्ञानिक उपकरण डिजाइन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा।

I NEXT

37 सेंटर्स पर ही कराए जाएंगे एलएलबी एग्जाम

LUCKNOW (17 MAY): लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी तीन वर्षीय और एलएलबी इंटीग्रेटेड (पांच वर्षीय) कोर्स की सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है। यह परीक्षाएं लखनऊ सहित संबद्ध पांच जिलों में बनाए गए 37 केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं के व्यवस्थित संचालन के लिए 17 नोडल सेंटर भी बनाए गए हैं। 37 परीक्षा केंद्रों पर 54 कालेजों के एलएलबी के छात्र-छात्राओं का केंद्र आवंटित किया गया है।

ये है एग्जाम प्रोग्राम

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी केंद्रों की सूची के अनुसार हरदोई में छह, लखीमपुर खीरी चार, रायबरेली दो, सीतापुर पांच और लखनऊ में 20 महाविद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। एलएलबी तीन वर्षीय छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से 13 जून, चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 26 मई से 16 जून तक होंगी। वहीं, एलएलबी इंटीग्रेटेड चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से 15 जून, छठे सेमेस्टर की 26 मई से 16 जून, इसके आठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 30 मई से 16 जून और 10वें सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से तीन जून तक होंगी।

AMAR UJALA

डॉ. कल्पना सिंह और जेपी सिंह को मिला अंतरराष्ट्रीय डिजाइन पंजीकरण

लखनऊ। लविवि के जुलोजी विभाग की डॉ. कल्पना सिंह और यूपीटीटीआई कानपुर के जेपी सिंह के नेतृत्व में एक अंतर-संस्थागत शोध दल को उनके अभिनव प्रयोगशाला उपकरण के लिए यूके बौद्धिक संपदा कार्यालय से अंतरराष्ट्रीय डिजाइन पंजीकरण मिला है। यह उपकरण फोटोल्यूमिनेसेंस मापन और संश्लेषण प्रक्रियाओं को एक जगह रखने योग्य प्रणाली में एकीकृत करता है। डॉ. कल्पना सिंह ने बताया कि यह उपकरण एक कॉम्पैक्ट टेबलटॉप प्रणाली है। किसी पदार्थ द्वारा प्रकाश को अवशोषित करने और बाद में उसे वापस प्रकाश के रूप में उत्सर्जित करने की प्रक्रिया है। यह नया डिजाइन पारंपरिक प्रणालियों की जटिलताओं को दूर करता है। (माई सिटी रिपोर्टर)



डॉ. कल्पना सिंह

AMRIT VICHAR

लविवि की शिक्षिका को फोटोल्यूमिनेसेंस उपकरण के लिए मान्यता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भारतीय अंतर-संस्थागत शोध दल को यूनाइटेड किंगडम के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑफिस से एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। लखनऊ विश्वविद्यालय की डॉ. कल्पना सिंह और यूपीटीटीआई, कानपुर के प्रो. जेपी सिंह को उनके उपकरण के लिए यूके डिजाइन रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुआ



डॉ. कल्पना सिंह

उपकरण का वैज्ञानिक महत्व

■ फोटोल्यूमिनेसेंस तकनीक का उपयोग नैनोमटेरियल अनुसंधान, सेमीकंडक्टर अध्ययन, जैव-चिकित्सीय विश्लेषण, औषधि अनुसंधान और उन्नत पदार्थ विज्ञान में व्यापक रूप से किया जाता है। यह नवाचार प्रयोगशाला कार्यप्रणाली को सरल, सुरक्षित और अधिक कुशल बनाता है।

है। यह उपकरण इंटरनेशनल डिजाइन क्लासिफिकेशन क्लास 24 (मेडिकल एवं लेबोरेटरी उपकरण) के अंतर्गत पंजीकृत

किया गया है। यह एक प्रकार से कॉम्पैक्ट टेबलटॉप प्रणाली है, जिसमें संश्लेषण (सिंथेसिस) और फोटोल्यूमिनेसेंस मापन

की प्रक्रिया को एकीकृत किया गया है।

अब तक उपलब्ध प्रणालियों में भारी उपकरण, खुले सैंपल होल्डर और जटिल नियंत्रण व्यवस्था होती है, जिससे संचालन कठिन हो जाता है। नव विकसित डिजाइन में शीर्ष पर स्थित गोलाकार मल्टी सैंपल चैंबर, प्रकाशीय पृथक्करण हेतु हिंड संरचना, अग्रभाग में डिजिटल डिस्प्ले और एगोनोमिक कीपैड आदि सुविधाएं हैं। इसकी

गोलाकार सैंपल व्यवस्था एक साथ कई नमूनों पर समान प्रकाशीय प्रभाव सुनिश्चित करती है, जिससे परिणाम अधिक सटीक बनते हैं। इस डिजाइन के सह आविष्कारकों में डॉ. सर्वेन्द्र कुमार, डॉ. शालिनी मलिक, डॉ. असीम दुबे, डॉ. अरविंद शर्मा, ललित कुमार, डॉ. जितेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. सुप्रियो चक्रवर्ती, डॉ. धीरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. उपासना देवी एवं अरुण शर्मा शामिल हैं।